चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	29.3.23	2	4-5

एनएसएस शिविरों से स्वयंसेवकों को टीम वर्क करने की मिलती है प्रेरणा : वीसी

गंगवा गांव में कैंप में विजेताओं के साथ मौजूद एचएयू के कुलपति बी.आर काम्बोज।

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के मत्स्य विज्ञान कॉलेज की एनएसएस ईकाई ने गांव गंगवा में चलाए जा रहे सात दिवसीय एनएसएस कैंप का समापन किया, जिसमें बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. बी.आर काम्बोज उपस्थित हुए। मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि किसी भी काम को करने से पहले क्या-क्या व्यवस्थाएं करनी हैं या किसी भी समस्या का समाधान कैसे करना है, यह हमें टीम-वर्क से सीखने को मिलता है। इसका एक ही प्रारूप एनएसएस कैंप होते हैं, जिसमें पहले विद्यार्थियों का चरित्र-विकास पर जोर दिया जाता है और उसके बाद लीडरशिप जैसे गुणों को विकसित कर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास किया जाता है। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे स्वयंसेवकों को भी सम्मानित किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि सात दिवसीय शिविर में स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया, गांव में डोर-टू-डोर सर्वे कर युवाओं से जुड़े रोजगार संबंधी आंकड़े एकत्रित किए व गांव के साक्षरता अनुपात का भी पता लगाया। स्वयंसेवकों ने कैंप के दौरान ड्रग एब्यूज विषय पर जागरूकता रैली निकाली व पर्यावरण संरक्षण के लिए भी लोगों को जागरूक किया

मत्स्य विज्ञान कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, जबकि ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर जीव-जंतु विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरके गुप्ता व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	29.3.23	4	2-3

टीम वर्क से मिलती है सफलता : प्रो. कांबोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की एनएसएस इकाई की ओर से गांव गंगवा में चलाए जा रहे सात दिवसीय एनएसएस कैंप के समापन पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी काम को करने से पहले क्या-क्या व्यवस्थाएं करनी है या किसी भी समस्या का समाधान कैसे करना है, यह हमें टीम-वर्क से सीखने को मिलता है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि शिविर में स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया गांव में डोर टू डोर सर्वे कर युवाओं से जुड़े रोजगार संबंधी आंकड़े एकत्रित किए व गांव के साक्षरता अनुपात का भी पता लगाया। स्वयंसेवकों ने कैंप के दौरान नशे के खिलाफ जागरूकता रैली निकाली। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	29.3.23	4	6-7

एनएसएस के माध्मम से टीम वर्क की प्रेरणा मिलती है : प्रो. काम्बोज

कैंप में उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित करते कुलपति बी.आर काम्बोज। ● पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की एनएसएस ईकाई द्वारा गांव गंगवा में चलाए जा रहे सात दिवसीय एनएसएस कैंप का समापन किया गया। इसमें बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज उपस्थित हुए। प्रो. काम्बोज ने बताया कि किसी भी काम को करने से पहले क्या-क्या व्यवस्थाएं करनी है या किसी भी समस्या का समाधान कैसे करना है। यह हमें टीम-वर्क से सीखने को मिलता है। इसी का एक ही प्रारूप एनएसएस कैंप होते है, जिसमें पहले विद्यार्थियों का चरित्र-विकास पर जोर दिया जाता है। छात्र कल्याण निदेशक डा. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि इस सात दिवसीय शिविर में स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया, गांव में डोर टू डोर सर्वे कर युवाओं से जुड़े रोजगार संबंधी आंकड़े एकत्रित किए व गांव के साक्षरता अनुपात का भी पता लगाया। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. नीरज कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। आफिसर इंचार्ज डा. रचना गुलाटी ने प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर जीव-जंतु विभाग के अध्यक्ष डा. आरके गुप्ता व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा. तेजपाल दहिया भी मौजूद रहे। एचएयू के कृषि इंजीनियरिंग एवं तकनीकी महाविद्यालय द्वारा आर्य नगर व कैथल के गांव कौल में स्थित कृषि महाविद्यालय द्वारा गांव चंदलाना में चलाए जा रहे एनएसएस शिविर का भी समापन हुआ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	29.3.23	4	4-5

एन.एस.एस. शिविरों से मिलती है टीम वर्क की प्रेरणा : प्रो. काम्बोज

हिसार, 28 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की एन.एस.एस. ईकाई द्वारा गांव गंगवा में चलाए जा रहे 7 दिवसीय एन.एस.एस. कैंप का समापन किया गया, जिसमें बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज उपस्थित हुए।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने बताया कि किसी भी काम को करने से पहले क्या-क्या व्यवस्थाएं करनी हैं या किसी भी समस्या का समाधान कैसे करना है, यह हमें टीम-वर्क से सीखने को मिलता है। इसी का एक ही प्रारूप एन.एस.एस. कैंप होते है, जिसमें पहले विद्यार्थियों का चरित्र-विकास पर जोर दिया जाता है और उसके बाद लीडरशिप जैसे गुणों को विकसित कर विद्यार्थियों का सर्वांगिण विकास किया जाता है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों को सकारात्मक सोच के साथ दूसरों को साथ लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे स्वयंसेवकों को भी सम्मानित किया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि इस 7 दिवसीय शिविर में स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया, गांव में डोर टू डोर सर्वे कर युवाओं से जुड़े रोजगार संबंधी आंकड़े एकत्रित किए व गांव के साक्षरता अनुपात का भी पता लगाया। साथ ही खेलकूद प्रतियोगिता करवाई।

कैंप में विजेताओं के साथ मौजूद कुलपति बी.आर काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	28.03.2023	-------	--------

स्वयंसेवक शिविरों में सीखते हैं जिम्मेदार नागरिक बनने के गुण: प्रो. काम्बोज

नभ-छोर न्यूज ▶▶ 28 मार्च

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की एनएसएस ईकाई द्वारा गांव गंगवा में चलाए जा रहे सात दिवसीय एनएसएस कैंप का समापन किया गया, जिसमें बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज उपस्थित हुए। प्रो. काम्बोज ने बताया कि किसी भी काम को करने से पहले क्या-क्या व्यवस्थाएं करनी है या किसी भी समस्या का समाधान कैसे करना है, यह हमें टीम-वर्क से सीखने को मिलता है। इसी का एक ही प्रारूप एनएसएस कैंप होते है, जिसमें पहले विद्यार्थियों का चरित्र-विकास पर जोर दिया जाता है और उसके बाद लीडरशिप जैसे गुणों को विकसित कर विद्यार्थियों का सर्वांगण विकास किया जाता है। उन्होंने बताया कि स्वयंसेवकों को आत्म-निर्भर व अच्छा नागरिक बनाकर समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लड़ा जा सकता है। इसके लिए स्वयंसेवक एक भारत-श्रेष्ठ भारत व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण कर उसी दिशा में व्यवहारिक रूप से काम करना चाहिए। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि इस सात दिवसीय शिविर में स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया, गांव में ड ट डोर सर्वे कर युवाओं से जुड़े रोजग संबंधी आंकड़े एकत्रित किए व गांव साक्षरता अनुपात का भी पता लगाया। स ही खेलकूद प्रतियोगिता करवाई। स्वयंसेवक ने कैंप के दौरान ड्रग एब्यूज विषय जागरूकता रैली निकाली व पर्यावर संरक्षण के लिए भी लोगों को जागरू किया। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने सभी अतिथि का स्वागत किया, जबकि आफिसर इंचा डॉ. रचना गुलाटी ने धन्यवाद प्रस्ताव पा किया। इस अवसर पर जीव-जंतु विभाग अध्यक्ष डॉ. आरके गुप्ता व एनएसए कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	28.03.2023	-------	--------

एनएसएस कार्यशाला से मिलेगा स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश : प्रो. बी.आर काम्बोज

स्वच्छता विषय पर आयोजित एक दिवसीय एनएसएस कार्यशाला में 150 स्वयंसेवकों ने भाग लिया

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 28 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में स्वच्छता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज उपस्थित हुए। इसका आयोजन क्षेत्रीय निदेशालय एनएसएस, दिल्ली व एचएयू के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना व एनएसएस गीत से की गई। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर काम्बोज ने कहा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छता मुहिम की शुरुआत की थी, जिसका पहला चरण 2019 में समाप्त हुआ, जिससे देश की स्वच्छता मानकों में काफी सुधार देखा गया है। विशेष बात यह है कि एनएसएस स्वयंसेवक जगह-जगह स्वच्छता शिविर लगाकर व कार्यशाला आयोजित करके स्वच्छता की इस महत्वपूर्ण मुहिम को लगातार आगे बढ़ाकर आमजन तक स्वच्छता का संदेश पहुंचा रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्वस्थ शरीर में स्वच्छ मन निवास करता है लेकिन आजकल युवा शक्ति को मानसिक स्वच्छता का विकास करने की जरूरत है। समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने व समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में युवा शक्ति का अहम रोल होता है। तभी युवा शक्ति के प्रयासों से समाज का उत्थान हो सकेगा। उन्होंने बताया कि एचएयू की एनएसएस ईकाईयों ने भी ग्राम, खंड, जिला, राज्य स्तर पर एनएसएस शिविर लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया है। साथ ही कुलपति ने विद्यार्थियों की क्षमताओं को पूर्ण विकसित करने के लिए गुरु-शिष्य के अच्छे आपसी रिश्ते के महत्व पर भी प्रकाश डाला ताकि स्वयंसेवकों का बहुमुखी विकास हो सके। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि विद्यार्थियों का सर्वांगिण विकास जरूरी है, जिसमें स्वच्छता मुहिम जैसी गतिविधियों का अहम योगदान होता है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता का सीधा संबंध स्वास्थ्य से है। यदि हमारे आसपास का वातावरण स्वच्छ होगा तो इसका हमारे स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। इसलिए, एनएसएस स्वयंसेवक स्वच्छता अभियान चलाकर, वृक्षारोपण करके व जागरूकता रैली निकालकर अपने दायित्व को निभा रहे हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी व कार्यक्रम को-ऑर्डिनेटर डॉ. भगत सिंह ने सभी का स्वागत किया व कार्यशाला की रूपरेखा बताई। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय व मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस कार्यशाला में दिल्ली से आए राष्ट्रीय स्तर के स्वच्छता अभियान के को-ऑर्डिनेटर शत्रुघ्न भारद्वाज व हिसार के नेहरू युवा केंद्र के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. नरेंद्र यादव सहित अन्य वक्ताओं ने विभिन्न सत्रों में स्वयंसेवकों को स्वच्छता विषय पर अहम जानकारियां दी। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता सहित अन्य विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे। मंच का संचालन एनएसएस स्वयंसेविका निधि ने किया। दोपहर बाद स्वयंसेवकों ने स्वच्छता विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग व स्लोगन राईटिंग प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। साथ ही स्वयंसेवकों ने रैली निकालकर लोगों को अपने आसपास स्वच्छता रखने व स्वस्थ रहने का संदेश भी दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

ाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	28.03.2023	--------	--------

एसएस स्वयंसेवक शिविरों में सीखते हैं जिम्मेदार नागरिक बनने के गुण : प्रो. बी.आर. काम्बोज

28 मार्च (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय की एनएसएस ईकाई द्वारा गांव में चलाए जा रहे सात दिवसीय एनएसएस कैंप मापन किया गया, जिसमें बतौर मुख्यातिथि द्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज त हुए। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर काम्बोज ने कि किसी भी काम को करने से पहले क्या-व्यवस्थाएं करनी है या किसी भी समस्या का न कैसे करना है, यह हमें टीम-वर्क से सीखने लता है। इसी का एक ही प्रारूप एनएसएस कैंप , जिसमें पहले विद्यार्थियों का चरित्र-विकास पर दिया जाता है और उसके बाद लीडरशिप जैसे को विकसित कर विद्यार्थियों का सर्वांगिण स किया जाता है। उन्होंने बताया कि स्वयंसेवकों त्म-निर्भर व अच्छा नागरिक बनाकर समाज में कुरीतियों के खिलाफ लड़ा जा सकता है। इसके लिए स्वयंसेवक एक भारत-श्रेष्ठ भारत व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण कर उसी दिशा में व्यवहारिक रूप से काम करना चाहिए। उन्होंने बताया कि स्वयंसेवकों को सकारात्मक सोच के साथ दूसरों को साथ लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे स्वयंसेवकों को भी सम्मानित किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि इस सात दिवसीय शिविर में स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास किया, गांव में डोर टू डोर सर्वे कर युवाओं से जुड़े रोजगार संबंधी आंकड़े एकत्रित किए व गांव के साक्षरता अनुपात का भी पता लगाया। साथ ही खेलकूद प्रतियोगिता करवाई। स्वयंसेवकों ने कैंप के दौरान ड्रग एब्यूज विषय पर जागरूकता रैली निकाली व पर्यावरण संरक्षण के लिए भी लोगों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों की एनएसएस ईकाईयां लगातार शिविरों का आयोजन करवाकर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, जबकि आफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर जीव-जंतु विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरके गुप्ता व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेजपाल दहिया भी मौजूद रहे। एचएयू के कृषि इंजीनियरिंग एवं तकनीकी महाविद्यालय द्वारा आर्य नगर व कैथल के गांव कौल में स्थित कृषि महाविद्यालय द्वारा गांव चंदलाना में चलाए जा रहे 7 दिवसीय एनएसएस शिविर का भी समापन हुआ।